विलियम कैक्सटन

हैरियट कैस्टर

चित्र : पीटर कैंटो

विलियम कैक्सटन

लगभग छह सौ साल पहले, केंट, इंग्लैंड में विलियम कैक्सटन का जन्म हुआ था. किसी को यह पक्का पता नहीं था कि उसका जन्म कब और कहाँ हुआ था, या उसके माता-पिता कौन थे. अगर किसी ने यह जानकारी लिखी भी होती तो जिस कागज या किताब पर उसे लिखा गया होता तो वो निश्चित रूप से खो गई होती.

उस काल की तमाम पुस्तकें लुप्त हो गई हैं. आज की तुलना में तब बहुत कम किताबें थीं, और उनकी बहुत काम प्रतियां ही बनाई गईं थीं.

किताबें बनाना एक धीमा काम था. प्रत्येक पृष्ठ की शब्द-दर-शब्द नक़ल करनी पड़ती थी. जो लोग ऐसा करते थे उन्हें "लिपिक" (स्क्राइब) कहा जाता था. वे अक्सर गलतियाँ भी करते थे.

हालाँकि हमें विलियम के बचपन के बारे में ज्यादा नहीं पता है, लेकिन हम इतना जानते हैं कि जब वो लगभग 14 साल का हुआ, तो उसके माता-पिता ने उसे रॉबर्ट लार्ज नामक एक अमीर व्यापारी के घर में रहने के लिए भेज दिया.

विलियम, रॉबर्ट का प्रशिक्षु बन गया. इसका मतलब था कि उसने रॉबर्ट के लिए काम करने का वादा किया जब तक कि वो खुद व्यापारी बनने के लिए तैयार नहीं होता.

व्यापारी सामान खरीद-बिक्री करके अपना जीवन यापन करते थे. अक्सर वे विदेशों में इंग्लैंड का सामान ले जाते थे और इंग्लैंड में बेचने के लिए दूसरे देशों का माल वापस लाते थे.

लंदन के कई व्यापारी - "मर्सर कंपनी" नामक एक शक्तिशाली गिल्ड (संगठन) के सदस्य थे. गिल्ड - एक ही तरह का काम करने वाले लोगों के एक क्लब की तरह था. सदस्य, एक-दूसरे की देखभाल करते थे और काम को अच्छे तरीके से करने के नियम बनाते थे, और निगरानी रखते थे कि काम अच्छी तरह से किया जाए.

जब विलियम कुछ बड़ा हुआ तो वो भी मर्सर्स कंपनी में शामिल हो गया. उसने विदेशी शहरों का दौरा करना शुरू किया, जैसे कि ब्रुग्स (जो अब बेल्जियम में है). वहाँ आप न केवल यूरोप से, बल्कि मिस्र जैसे दूर स्थानों से लाई चीजें भी खरीद सकते थे.

विलियम ने ज्यादातर अंग्रेजी ऊनी कपड़े बेचे, और वो अमीर लोगों को बेचने के लिए विलासिता की चीजें वापिस लाया. इनमें से कुछ महंगी चीज़ें पुस्तकें भी थीं.

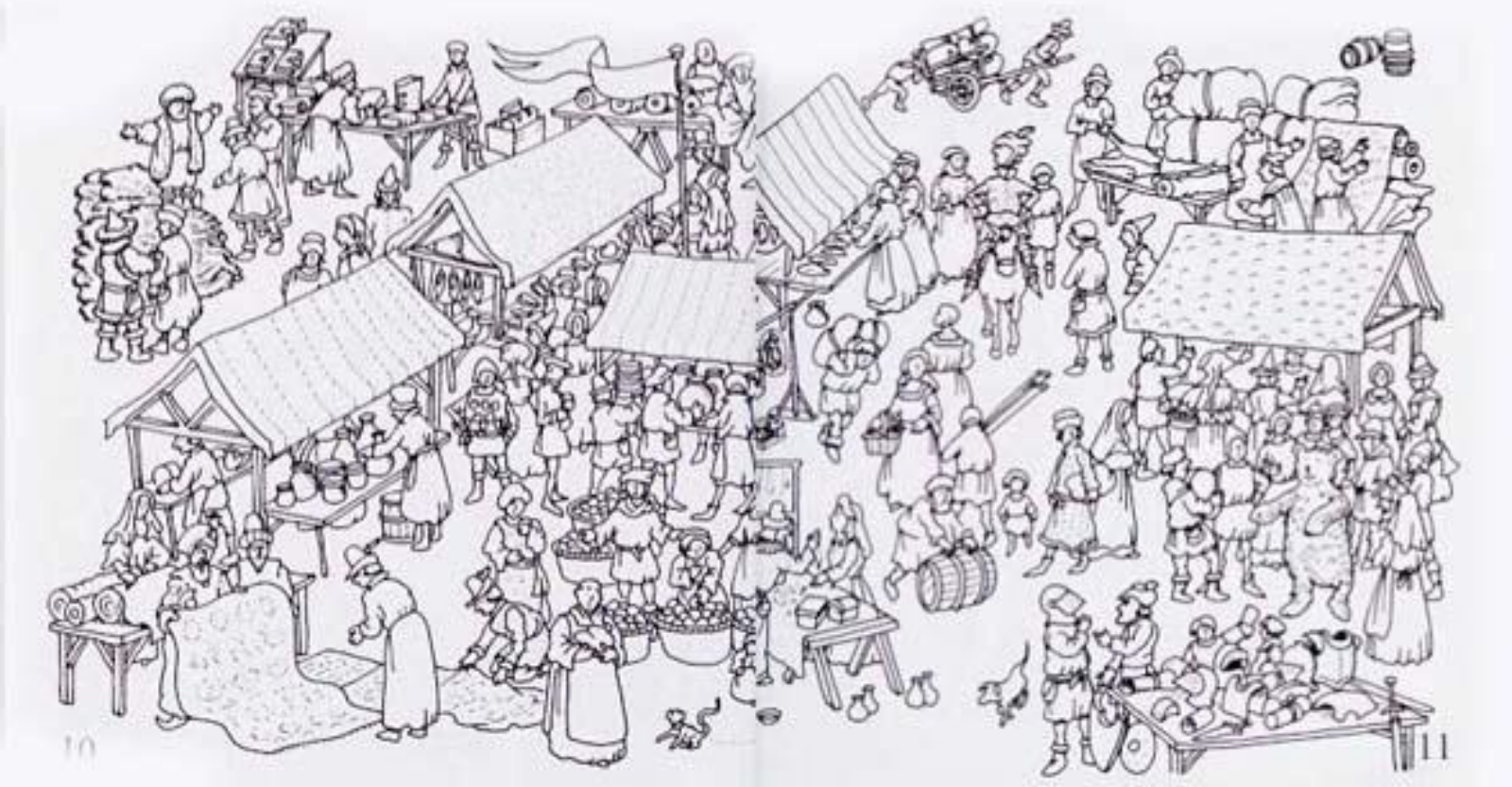

चूँकि पुस्तकों को बनाने में इतना समय लगता था, इसलिए वे बहुत महंगी होती थीं, और केवल धनी लोग ही उन्हें खरीद सकते थे.

कई किताबों को खूब सजाया भी जाता था. शब्दों को खूबसूरती से लिखा जाता था, फैंसी बड़े अक्षरों में जिनके अंदर कभी-कभी छोटे चित्र भी होते थे. पृष्ठ आमतौर पर वेल्लम, एक प्रकार की जानवरों की खाल से बने होते थे. बाहरी जिल्द अक्सर सोने से बनी होती थी.

विलियम ने कपड़ा, किताबें और अन्य सामान खरीदने और बेचने में अच्छी कमाई की. जैसे-जैसे साल बीतते गए वो एक अमीर और प्रसिद्ध व्यापारी बन गया.

ब्रुग्स में, विभिन्न देशों के व्यापारियों के अपने हॉल और चर्च थे, और प्रत्येक समूह ने अपना एक नेता चुना था, जिसे 'गवर्नर' कहा जाता था. जब वो लगभग 40 वर्ष के थे, तब विलियम को ब्रुग्स में अंग्रेजी व्यापारियों का गवर्नर बनाया गया.

गवर्नर के रूप में, विलियम को अपना अधिकांश समय अन्य देशों के व्यापारियों के साथ बैठकें करने में बीतता था. इंग्लैंड के राजा एडवर्ड चतुर्थ ने उन्हें अन्य बैठकों में भी इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कहा.

गवर्नर होने के बाद विलियम को एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति बने. शाही दरबार में आपका स्वागत है. लेकिन सात-आठ साल बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी. किसी को नहीं पता उन्होंने ऐसा क्यों किया.

शायद यह इंग्लैंड में पैदा हुई समस्यायों के कारण था. कई सालों से शाही परिवार के दो हिस्से सत्ता और ताज के लिए आपस में लड़ रहे थे. इसे अब "गुलाबों का युद्ध" कहा जाता है.

विलियम ने एडवर्ड चतुर्थ पक्ष, यॉर्किस्टों का समर्थन किया. लेकिन अब एडवर्ड को सिंहासन से हटा दिया गया था और उसके दुश्मन, लैंकेस्ट्रियन, ने सत्ता संभालीथी. हो सकता है कि वो विलियम के बजाय कोई लैंकेस्ट्रियन गवर्नर चाहते हों.

चूंकि वो अब गवर्नर नहीं थे, विलियम ने अपने व्यवसाय में एक नई शाखा जोड़ने का फैसला किया. उन्होंने सिर्फ किताबें बेचने की बजाए, उन्हें बनाने का भी फैसला किया.

लेकिन विलियम एक "लिपिक" बनने की नहीं सोच रहे थे. वो एक नया व्यापार सीखना चाहता थे जो पूरे यूरोप में फैलना शुरू हो गया था : छपाई.

छपाई कोई नया विचार नहीं था. लेकिन छपाई का एक नया तरीका खोजा गया था. इससे पहले, एक लकड़ी के ब्लॉक पर किताब का एक पूरा पृष्ठ उकेरा जाता था. इसमें लंबा समय लगता था और प्रत्येक पन्ने को बिल्कुल नई नक्काशी की ज़रुरत होती थी.

अब अलग-अलग धातु के अक्षरों से छपाई करने का एक तरीका मिला था. प्रत्येक पन्ने के लिए, अक्षरों को आसानी से पुनर्व्यवस्थित किया जा सकता था.

जोहान्स गुटेनबर्ग नामक एक व्यक्ति द्वारा आविष्कार की गई इस नई पद्धति के साथ, किताबें कहीं अधिक तेज़ी से और सस्ते में बनाई जा सकती थीं. जितने समय में एक लिपिक एक प्रति बनाता, उतने समय में प्रिंटिंग प्रेस किताब की सैकड़ों प्रतियां बना सकता था.

विलियम एक चतुर व्यवसायी थे. उन्होंने महसूस किया कि किताबें अब बहुत लोकप्रिय हो जाएंगी, क्योंकि अधिक लोग उन्हें खरीद सकेंगे.

BLACK LETTER

विलियम ने जर्मनी में कोलोन नामक स्थान पर छपाई करना सीखी. किसी को पता नहीं कि उसे किसने सिखाया, लेकिन अपने प्रशिक्षण में शायद उसने बहुत पैसा खर्च किया.

कोलोन छोड़ने से पहले विलियम ने अपना खुद का प्रेस स्थापित करने के लिए आवश्यक उपकरण खरीदे. उसने प्रशिक्षित श्रमिकों को भी काम पर रखा और उन्हें वापस ब्रुग्स ले गया.

विलियम ने अपनी पहली पुस्तक अंग्रेजी में छापने का फैसला किया. ऐसा पहले कभी नहीं किया गया था. उन्होंने 'द हिस्ट्री ऑफ ट्रॉय' नामक एक फ्रांसीसी पुस्तक को चुना और स्वयं अंग्रेजी में इसका अनुवाद किया.

विलियम को अपनी पुस्तक ड्यूक ऑफ बरगंडी (जिसने ब्रुग्स पर शासन किया) के दरबार में, अंग्रेजी रईसों को बेचने की उम्मीद थी. वो इंग्लैंड में किताबें भेजना और वहां उन्हें बेचना भी चाहता था.

इस बीच, एडवर्ड चतुर्थ फिर से इंग्लैंड का राजा बन गया था. भले ही विलियम अब व्यापारियों का गवर्नर नहीं था, फिर भी किंग एडवर्ड ने उसे महत्वपूर्ण काम करने के लिए दिया.

जब एडवर्ड और ड्यूक ऑफ बरगंडी ने फ्रांस पर हमले की योजना बनाई, तो विलियम ने ड्यूक के देश के चारों ओर यात्रा करके, हमले में उपयोग करने के लिए पांच सौ जहाजों को इकट्ठा किया.

इस सारी यात्रा का मतलब था कि विलियम अपना प्रिंटिंग प्रेस खुद नहीं चला सका. उसने यह तय किया कि क्या मुद्रित किया जाएगा और पुस्तकों की बिक्री कैसे होगी, लेकिन उन्होंने प्रेस चलाने का काम अपने सहायक, विंकिन डी वर्डे पर छोड़ दिया.

जबकि विलियम किंग एडवर्ड के लिए जहाजों का आयोजन कर रहे थे तब उनकी दूसरी पुस्तक "शतरंज का खेल" प्रकाशित हुई.

ब्रुग्स से इंग्लैंड में किताबें बेचना व्यवस्थित करना उतना आसान नहीं था जितना विलियम को उम्मीद थी. इसलिए, कुछ वर्षों के बाद, वो अपने प्रेस को लंदन ले गए. उन्होंने वेस्टमिंस्टर एब्बे के बगल में एक दुकान किराए पर ली.

वेस्टमिंस्टर, राजा के महल, संसद और मुख्य कानून अदालतों के बहुत पास था. रईसों, दरबारियों और अमीर शहर के लोग हर दिन वहां से गुजरते थे.

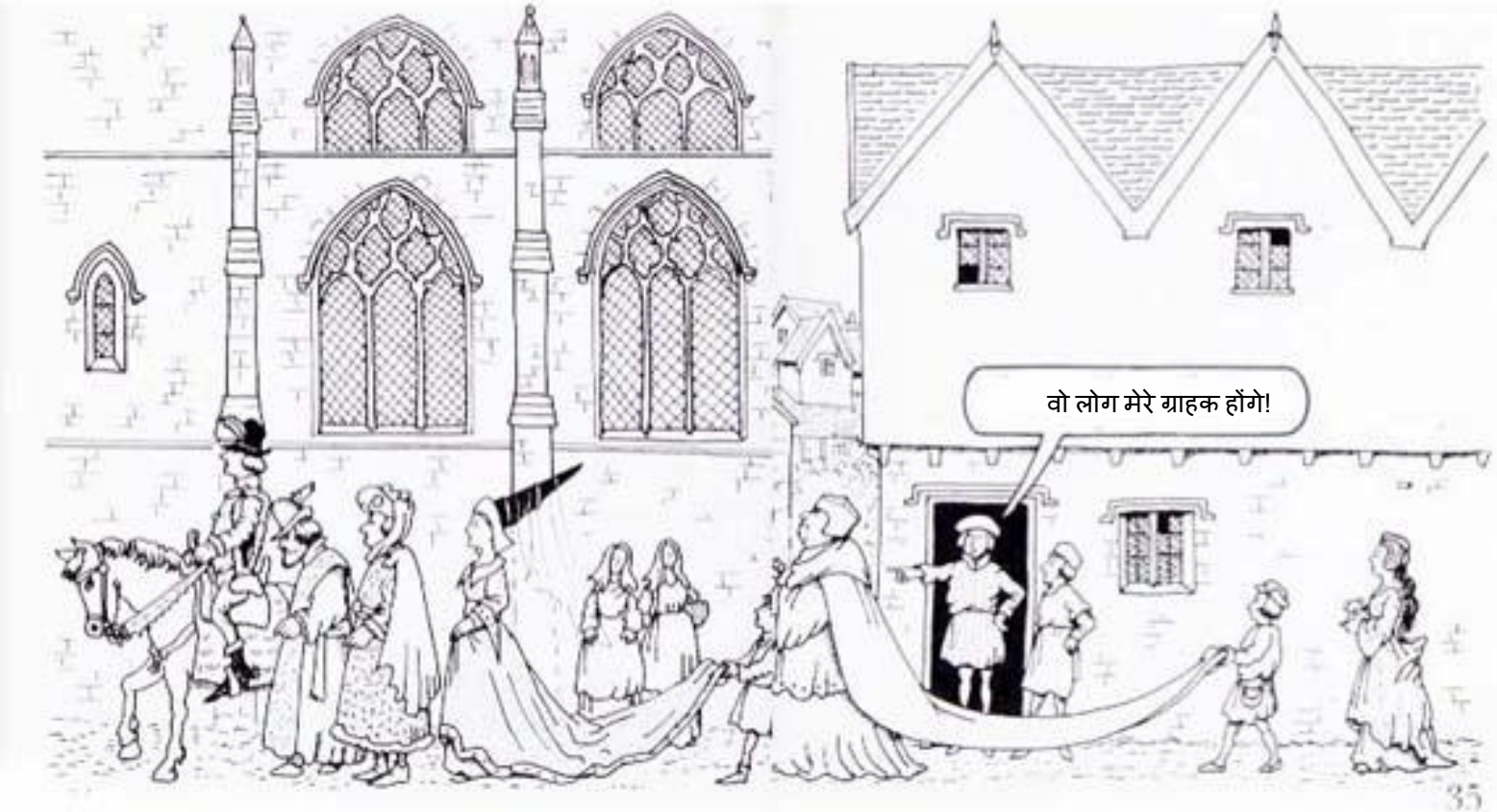

रईसों और दरबारियों द्वारा किसी पुस्तक को खरीदने की अधिक संभावना थी यदि उसे किसी प्रसिद्ध व्यक्ति, या 'संरक्षक' का समर्थन प्राप्त हो. ब्रुग्स में, ड्यूक ऑफ बरगंडी की पत्नी, मार्गरेट, विलियम की संरक्षक थीं. वो किंग एडवर्ड चतुर्थ की बहन थीं.

अब, लंदन में, विलियम को एडवर्ड की पत्नी, एलिजाबेथ के रिश्तेदारों के बीच नए संरक्षक मिले.

मुसीबत यह थी, "गुलाबों का युद्ध" खत्म होते ही जब एडवर्ड की मृत्यु हुई, तो उसके भाई ने सिंहासन पर कब्जा कर लिया, और खुद को राजा रिचर्ड III बना लिया. लेकिन लैंकेस्ट्रियन चाहते थे कि कोई और राजा बने. एक लड़ाई हुई और उसमें रिचर्ड मारा गया.

विलियम के बाकी मित्र अधिक महत्वपूर्ण नहीं थे. इसलिए उन्हें नए संरक्षक खोजने पड़े.

कुल मिलाकर, विलियम ने लगभग सौ अलग-अलग पुस्तकों को छापा. कुछ आज भी प्रसिद्ध हैं, जैसे जेफ्री चौसर की कैंटरबरी टेल्स, और थॉमस मैलोरी की लिखी किंग आर्थर के बारे में एक किताब.

विलियम ने अपना अनुवाद कार्य भी जारी रखा. कभी-कभी वे स्वयं के कुछ पन्ने लिखते थे, जिन्हें किसी पुस्तक के आरंभ या अंत में छापा जाता था.

इस बीच, छपाई कई देशों में फैल गई थी. पूरे यूरोप और अन्य प्रेस पहले से कहीं अधिक किताबें छाप रहे थे, और अधिक-से-अधिक लोग पढ़ना सीख रहे थे.

अब केवल पुजारी और रईस ही नहीं बल्कि सामान्य लोग भी किताबें पढ़ सकते थे. सैकड़ों मील दूर स्थित देशों के बीच भी नए विचार तेजी से फैल रहे थे.

विशेष रूप से, मुद्रण जल्द ही यूरोप में धर्म बदलने में एक बड़ी भूमिका अदा करने वाला था. पहली बार बाइबल को अलग-अलग भाषाओं में छापा गया ताकि आम लोग उसे पढ़ सकें.

विलियम कैक्सटन ने इन सभी परिवर्तनों को नहीं देखा. उनकी मृत्यु 1491 या 1492 में, लगभग 70 वर्ष की आयु में हुई. हालाँकि, उनका प्रिंटिंग प्रेस चलता रहा. और उनकी पुस्तकें सैकड़ों लोगों द्वारा पढ़ी जाती रहीं.

आगे के तथ्य

छपाई और नए नक्शे

छपाई का उपयोग केवल किताबें बनाने के लिए ही नहीं किया जाता था. पैम्फलेट, नोटिस, लेबल, दस्तावेज और नक्शे भी प्रिंटिंग प्रेस में छपते थे. उस समय नक़्शे बहुत तेज़ी बदल रहे थे क्योंकि खोजकर्ता उन स्थानों की यात्रा कर रहे थे जिनके बारे में यूरोप में पहले किसी को पता नहीं था.

चीन में मुद्रण

हालाँकि 15 वीं शताब्दी में यूरोप में छपाई नई थी, पूर्व में लोग इससे पहले सैकड़ों वर्षों से छपाई कर रहे थे. चीन में, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉकों से छपाई छठी शताब्दी में शुरू की गई थी.

11वीं शताब्दी तक, चीनी प्रिंटर उन अक्षरों का उपयोग कर रहे थे जिन्हें स्थानांतरित किया जा सकता था. यूरोपीय लोगों को उस पद्धति का 'आविष्कार' करने में 400 साल और लगे.

आज की छपाई

सैकड़ों वर्षों तक, प्रिंटर, कैक्सटन के मूल तरीके का उपयोग करते रहे. फिर, 19वीं शताब्दी में, भाप की शक्ति के उपयोग से प्रेस चलने लगे. बाद में, कीबोर्ड का उपयोग करके टाइपसेटिंग (अक्षरों की व्यवस्था) के तरीकों का आविष्कार किया गया. आज टाइपिंग कंप्यूटर द्वारा की जाती है.

विलियम कैक्सटन के जीवन काल की कुछ महत्वपूर्ण तिथियां :

1415 और 1424 के बीच विलियम कैक्सटन का जन्म केंट, इंग्लैंड में हुआ.

लगभग 14 साल बाद विलियम लंदन के एक सफल व्यापारी रॉबर्ट लार्ज के प्रशिक्षु बने.

1444 के आसपास विलियम ने नियमित रूप से ब्रुग्स का दौरा करना शुरू किया.

1452 विलियम मर्सर्स कंपनी के पूर्ण सदस्य बने.

1462 विलियम ब्रुग्स में अंग्रेजी व्यापारियों के गवर्नर बने.

1470 और 1472 के बीच विलियम ने गवर्नर का पद छोड़ दिया और कोलोन, जर्मनी में प्रिंटिंग कला सीखने गए.

1472 विलियम ब्रुग्स लौटे और अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया.

1474 -1475 विलियम ने अंग्रेजी में छपी पहली पुस्तक "द हिस्ट्री ऑफ ट्रॉय" का मुद्रण किया, जिसका उन्होंने स्वयं अनुवाद किया था.

1476 विलियम इंग्लैंड चले गए. उन्होंने वेस्टमिंस्टर, लंदन में अपना प्रेस स्थापित किया.

1478 विलियम ने जेफ्री चौसर के कैंटरबरी टेल्स को छापा.

1491 या 1492 में विलियम कैक्सटन की मृत्यु हुई.

समाप्त